PC-207-CV-19

M.A. (2nd Semester)

Examination, June 2020

HINDI

Paper-III

ADHUNIK GADHYA SAHITYA (UPANYAS EVAM KAHANI)

Time : Three Hours] **[Maximum Marks : 80**

[Minimum Pass Marks : 29

नोट :दोनों खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

Note : Answer from both the Sections as directed. The figures in the right-hand margin indicate marks.

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित में से किन्ही दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– **1x10=10**

(क) गोबर किस रचना का पात्र है ?

(ख) प्रेमचन्द के प्रथम उपन्यास का नाम लिखिए।

(ग) "प्रेमचन्द स्मृति" अंक कहाँ से प्रकाशित हुआ ?

(घ) कुड़माई होने की बात किसके द्वारा कही गई ?

(ड) 'बिरादरी बाहर' किसकी रचना है ?

(च) रेणु का पूरा नाम लिखिए।

(छ) कुडमाई होने की बात किस कहानी में हुई है ?

(ज) गोदान का प्रकाशन वर्ष बताइये ?

(झ) गोदान के नायक नायिका का नाम लिखिए ?

(ञ) फणीश्वरनाथ 'रेणु' के प्रमुख औचलिनु उपन्यास का नाम लिखिये ?

(ट) उपन्यास के कितने तत्व है ?

(ठ) प्रेमचन्द के हिन्दी दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

(ड) "उसने कहा था" कहानी के नायक का नाम लिखिए।

(द) 'प्रेमचन्द' का वास्तविक नाम क्या था ?

(ण) होरी के गाँव का क्या नाम है ?

2. निम्नलिखित में से किन्ही पाँच लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजियेः– **2x5=10**

(क) 'कहानी किसे कहते है ?

(ख) अमृतबल नागर के कोई दों उपन्यासों के नाम लिखिये।

(ग) गैंग्रीन किसकी कहानी है ?

(घ) 'आवारा मसीहा' किसकी रचना है, तथा यह किस विश्व प्रसिद्ध साहित्यकार के जीवनी पर आधारित है।

(ड) धनिया के चरित्र की चार विशेषताएं लिखिये।

(च) फणीश्वरनाथ रेणु के बारे में आप कया जानते है संक्षेप में लिखिये।

(छ) 'पूस की रात' कहानी किस रचनाकार की है, तथा इसमें रचना कार ने किस बात पर अधिक जोर दिया है ?

(ज) पुरस्कार कहानी के उदेश्य को संक्षेप में लिखिये ?

खण्ड/Section-B

सप्रसंग व्याख्या कीजिएः– **7**

3. (क) "किसान पक्का स्वार्थी होता है, इसमें सन्देह नही। उसकी गांठ से रिश्वत के पैसे बड़ी मुश्किल से निकलते है। भाव–ताव में भी वह चौकस होता है ब्याज को एक–एक पाई छुड़ाने के लिए वह महाजन की घण्टों चिरौरी करता है। जब तक पक्का विश्वास न हो जाय, वह किसी के फुसलाने मे नहीं आता। लेकिन उसका सम्पूर्ण जीवन प्रकृति के सहयोग ही है। वृक्षों में फल लगते है, उन्हे जनता खाती है। खेती में अनाज होता है, वह संसार के काम आता है, गाय के थन में दूध होता है, वह खुद पीने नहीं जाती, दूसरे ही पीते है।"

अथवा/OR

"मैं प्रकृति का पुजारी हूँ और मनुष्य को प्राकृतिक रूप में देखना चाहता हूँ। जीवन मेरे लिए आनन्दमय कीड़ा है। सरल,स्वच्छन्द, जहाँ कुल्स, ईर्ष्या और जलन के लिए कोई स्थान नहीं। मैं भूत की चिन्ता नहीं करता, मेरे लिए वर्तमान ही सब कुछ है। भविष्य की चिन्ता हमें कायर बना देती है, भूत का भार हमारी कमर तोड़ देता है।..... ज्ञानी कहता है,ओठों पर मुस्कुराहट न आये, आँखों में आँसू न आये। मैं कहता हूँ, अगर तुम हँस नहीं सकते, तो तुम मनुष्य नहीं, पथ्थर हो। वह ज्ञान जो मानवता को पीस डालें, ज्ञान नहीं है, कोकहू है।"

(ख) "धनिया के चरित्र में ग्रामीण संस्कृति की भारतीय नारी की समस्त विशेषताएँ मुरवरित हो उठी हैं।" इस कथन की सोदारहण विवेचना कीजिए।

अथवा/OR

"हिन्दुस्तान के कृषक जीवन से जीवन्त साक्षात्कार होता है– प्रेमचन्द के गोदाम उपन्यास में"। इस कथन से आप कहाँ तक सहमत है ? 8

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिएः– 7

(क) चार पुश्त पहले की बात। संथाल परगना के तीन पहाड़ी अंचक की पथरीली माटी का मोह तोड़कर, ऊबड़–खाबड़ पहाड़ी रास्ते को तय कर के जब इनके पूर्वज इस गाँव की नरम माटी पर आकर बसे थे। गाँव वालों ने जमीदांर के पास जाकर फरियाद की थी, "हुनूर! माई–बाप! ज्ंगली लोग हैं। सुनते हैं तीर–धनुष से जान मार देने पर भी सरकार बहादुर इनको कुछ नहीं कर सकता है। इन्हें हरगिज नहीं बसाया जाए हुजूर!"

अथवा/OR

"महँगी पड़े या अकाल हो, पर्व–त्योहार तो मनाना ही होगा। और होली ? फागुन महीने की हवा ही बावरी होती है। आसिन–कातिक` मैलेरिया और कालाआजार से टूटे हुए शरीर में फागून की हवा संजीवनी फँकू देती है। रोने–कराहने के लिए बाकी ग्यारह महीने तो है ही, फागुन भर हँस लो, गा लो। जो जीये सो खेलै फाग। दुसरे पर्व–त्योहार को तो टाल भी दिया जा सकता है। दीवाली में एक–दो दीप जला दिए, बस छुट्टी। लेकिन होली तो मुर्दो दिलों को भी गुदबुही लगाकर जिलाती है।"

(ख) "मैला आँचल" में उल्लेखित नारी पात्रों के संबंध में विश्लेषण कीजिए ?

अथवा/OR

"मैला आँचल" के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक परिदृश्य का अपने शब्दों में विश्लेषण कीजिए ? 8

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिएः– 7

(क) मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति बहुत साफ हो जाती है। जन्मदभर की घटनाएँ एक–एक करके सामने आती है। सारे दृश्यों के रंग साफ होते है। समय की धुन्ध बिल्कुल उन पर से हटजाती है।

अथवा/OR

जिस समाज में रात–दिन मेहनत करने वालों की हालत उनकी हालत से कुछ बहुत अच्छी न थी और किसानों के मुकाबले में वे लोग जो किसानों की दुर्षकताओं से लाभ उठाला जानते थे, कहीं ज्यादा समाज सम्पन्न थे, वहाँ इस तरह की बात न थी।

(ख) कहानी के तत्वों के आधार पर 'पुरस्कार' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा/OR

'परिन्दे' कहानी की मूल संवेदना को रेखांकित कीजिए। 8

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिएः– 7

(क) 'भगवतीचरण वर्मा की उपन्यास कला' विषय पर एक निबंध लिखिए।

अथवा/OR

मृणाल पाण्डेय के उपन्यासों में वर्णित युगीन समस्याओं का उदेश्य कीजिए।

(ख) अज्ञेय की कहानी कला की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

अथवा/OR

अमरकांत की कहानी की विशेषताओं का विश्लोषण कीजिये। 8